

प्रेषक,

महिमा,

उप सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सचिव,

उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद,

रामनगर, नैनीताल।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-4

देहरादून दिनांक 22 सितम्बर, 2017

विषय-मान्यता समिति द्वारा संस्तुत तथा परिषद स्तर से गठित स्थलीय सत्यापन टीमों द्वारा मान्यता के लिए उपयुक्त पाये गये प्रकरण के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने के पत्र संख्या-मान्यता/885-86/2016-17 दिनांक 28 दिसम्बर, 2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विद्यालयी शिक्षा अधिनियम-2006 की धारा-11(क) के अधीन उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद की आख्या/संस्तुति के आधार पर तालिका में अंकित विद्यालय को मान्यता प्रदान किये जाने हेतु श्री राज्यपाल एतद् द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

| विद्यालय का नाम | मान्यता का प्रकार | मान्यता वर्ष |
|--|---|--------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| सरस्वती विद्या मंदिर, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भागीरथीपुरम, जनपद-टिहरी गढ़वाल | हाईस्कूल नवीन वर्ग की वित्तविहीन मान्यता। | परीक्षा वर्ष, 2019 |

- उक्त मान्यता के सिलसिले में सम्बन्धित विद्यालय में यदि किन्हीं प्रतिबन्धों/शर्तों की पूर्ति अवशिष्ट हो, तो उन्हें एक निर्धारित अवधि के भीतर संस्थाधिकारी को उन शर्तों/प्रतिबन्धों की पूर्ति के निर्देश दे दिये जाय।
- संस्था को प्रस्तर-1 के स्तम्भ-2 के अनुसार हाईस्कूल नवीन वर्ग की वित्तविहीन मान्यता इस प्रतिबन्ध के साथ प्रदान की जाती है कि सम्बन्धित विद्यालय द्वारा भविष्य में अनुदान के लिए माँग नहीं की जायेगी।
- कृपया उपर्युक्तानुसार आवश्यक/अग्रेत्तर कार्यवाही शीघ्र सम्पादित की जाय।

भवदीया,

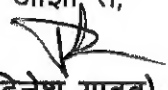
(महिमा)

उप सचिव।

संख्या- ~~287~~(1)/XXIV-4/2017-5 (63)/2016 तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. निदेशक, माध्यमिक शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. मुख्य शिक्षा अधिकारी/जिला शिक्षा अधिकारी, जनपद-टिहरी गढ़वाल।
4. सम्बन्धित विद्यालय के प्रबन्धक/प्रधानाचार्य।
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(दिनेश यादव)
अनु सचिव।